तेरे दर्शन को गणराजा

(नसीब वाला वोह है गणराजा, तेरा दीदार होता है,
जिस पे होता है तेरा, नज़र-ए-कर्म,
उसका बेड़ा, पार होता है ॥)

तेरे दर्शन को गणराजा, तेरे दरबार आए हैं ॥
*तेरे दरबार आए हैं, तेरे दरबार आए हैं,
तेरे दर्शन,,जय हो ॥। को गणराजा, तेरे दरबार आए हैं ॥

*सुना है मैंने गणराजा, तुम्हें लडडू ही भाते हैं ॥
तुम्हारे भोग में भगवन, हाँ लडडू साथ लाए हैं।
तेरे दर्शन को गणराजा,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

*तुम्हें दूर्वा सदा चढ़ती, लोग ऐसा सदा करते ॥
बेल पत्ती के संग संग में, हाँ दूर्वा हार लाए हैं।
तेरे दर्शन को गणराजा,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

*तुम्हें वस्त्रों में पिताम्बर, पहनते हमने देखा है ॥
कि दर्ज़ी से भी सिलवाकर, तुम्हारे वस्त्र लाए हैं।
तेरे दर्शन को गणराजा,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

*सुना है ताज़े फूलों के, तुम्हें गज़रे सुहाते हैं ॥
कि बागों से 'सुमन योगी', सुगंधित फूल लाए हैं।
तेरे दर्शन को गणराजा,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20081/title/tere-darshan-ko-ganraja

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |